OM-2- 2021 FINAL FILE_Page 1 and 2 25/03/2021 6:18 PM Page 3

पंचतत्व में विलीन राजयोगिनी दादी हृदयमोहिनी जी का पार्थिव शरीर

हज़ारों भाई-बहनों ने शामिल होकर दी अंतिम विदाई...

- ब्रह्माकुमारीज़ के अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय शांतिवन में किया अंतिम संस्कार
- राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने दुःख जताते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की
- विश्व के कई देशों से भी पहुंचे भाई-बहन
- 11 मार्च को सुबह 10.30 बजे मुम्बई के सैफी हॉस्पिटल में ली थी अंतिम श्वास

शांतिवन-आबूरोड(राज.)। राजयोगिनी दादी हृदयमोहिनी जी का पार्थिव शरीर 13 मार्च 2021 को पंचतत्व में विलीन हो गया। अंतिम संस्कार सुबह 10 बजे ब्रह्माकुमारी संस्थान के अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय आबूरोड,शांतिवन में किया गया। अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने उन्हें मुखाग्नि दी। बता दें कि दादी हृदयमोहिनी ने 11 मार्च की सुबह 10.30 बजे मुम्बई के सैफी हॉस्पिटल में अंतिम श्वास ली थी। इसके बाद उनके पार्थिव शरीर को एयर एंबुलेंस से शांतिवन में लाया गया, उसके पश्चात् कॉन्फ्रेन्स हॉल में देश-विदेश से आने वाले लोगों के अंतिम दर्शनार्थ के लिए रखा गया था। हज़ारों की संख्या में मौजूद ब्र.कु. भाई-बहनों ने अपने श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए दादी जी की शिक्षाओं को जीवन में उतारने, उनके बताए कदमों पर चलने और उनके समान योग-साधना कर खुद को परिपक्व बनाने का संकल्प लिया।

जहाँ से 13 मार्च सुबह 9 बजे अंतिम यात्रा निकाली गई। इस दौरान ॐ ध्वनि करते हुए हज़ारों भाई-बहनें पीछे चल रहे थे।

इस मौके पर संस्थान के अतिरिक्त महासचिव ब्र.कु. बृजमोहन, प्रबंधिका ब्र.कु. मुन्नी दीदी, सूचना निदेशक ब्र.कु. करुणा भाई, यूरोपीय देशों में ब्रह्माकुमारीज़ की निदेशिका ब्र.कु. जयंती, मुम्बई गामदेवी की ब्र.कु. निहा, ग्लोबल हॉस्पिटल के डायरेक्टर ब्र.कु. डॉ. प्रताप मिड्ढा, ब्र.कु. डॉ. बनारसी लाल शाह तथा अन्य वरिष्ठ भाई-बहनों ने भी दादी के साथ के अपने अनुभव बताते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। अंतिम संस्कार के बाद दादी जी की याद में परमपिता शिव परमात्मा को भोग स्वीकार कराया गया।

140 देशों में जारी है योग-साधना

दादीजी के देहावसान के बाद से ब्रह्माकुमारी संस्थान के देश-विदेश में स्थित सेवाकेन्द्रों पर अखंड योग-साधना का दौर जारी है। सभी योग के माध्यम से दादीजी को अपने शुभ वायब्रेशन्स और श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं।

दो दिन-रात जारी रहा अखंड योग

मुम्बई में दादी जी के देहावसान की सूचना के बाद से ही शांतिवन में योग-साधना शुरु हो गई। कॉन्फ्रेन्स हॉल में 11मार्च शाम को दादीजी के पार्थिव देह को अंतिम दर्शन के लिए रखा गया था जहाँ ब्र.कु. भाई-बहनों ने रात-दिन अखंड योग कर दादी को योग के माध्यम से अपने शुभ वायब्रेशन्स और श्रद्धांजलि अर्पित किये।

दादी के साथ रही सखी की तरह

शुरू से ही दादी हृदयमोहिनी के साथ सखी की तरह रही। दादी का बचपन से ही शांत और गंभीर स्वभाव था। उनकी बुद्धि की लाइन इतनी क्लीयर थी कि कुछ ही सेकंड में वह ध्यानमग्न हो जाती थीं। उनका जीवन दिव्यता, पवित्रता और योग-साधना के प्रति अद्भुत लगन का मिसाल था। - **दादी रतनमोहिनी, अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका, ब्रह्माकुमारीज़।**

हम सभी को परमात्मा पिता से मंगल मिलन कराने वालीं, परमात्मा की संदेशवाहक दादी व्यक्त रूप से ज़रूर हम सबके बीच नहीं रहीं लेकिन उनके द्वारा दी गईं अव्यक्त शिक्षाएं सदा भाई-बहनों का मार्गदर्शन करती रहेंगी।

- राजयोगी ब्र.कु. निर्वैर, महासचिव, ब्रह्माकुमारीज़। दादीजी का प्यार, स्नेह, दुलार और वात्सल्य बचपन से ही मिला। दादीजी का एक-एक कर्म आदर्श कर्म होता था। उनके साथ रहने पर ऐसी अनुभूति होती थी कि जैसे कोई दिव्य फरिश्ते के साथ हैं। उन्होंने योग-तपस्या से खुद को इतना शक्तिशाली बना लिया था कि उनके संपर्क में आने वाले हर एक भाई-बहन को उस शक्ति की अनुभूति होती थी। - **ब्र.कु. जयंती, यूरोपीय देशों में ब्रह्माकुमारीज़ की निदेशिका।**

राष्ट्रपति सहित देश-विदेश के गणमान्य लोगों ने भी जताया शोक

महामहिम राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, उपराष्ट्रपति एम.वेंकैया नायडू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा, पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी, छ.ग. के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, म.प्र. के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत व राज्यपाल के द्वारा भेजे गए शोक संदेश को पढ़कर सुनाया।

अंतिम संस्कार के दौरान संस्थान के कार्यकारी सचिव राजयोगी ब्र.कु. मृत्युंजय, ऑस्ट्रेलिया की निदेशिका ब्र.कु. निर्मला दीदी, यूरोप सेवाकेन्द्रों की निदेशिका ब्र.कु. जयंती दीदी, जर्मनी सेवाकेन्द्रों की निदेशिका ब्र.कु. सुदेश दीदी, अमेरिका की ब्र.कु. मोहिनी दीदी, नैरोबी अफ्रीका से ब्र.कु. वेदांती दीदी सहित सभी ने जताया गहरा शोक।

डॉक्टर बोले - दादी के चेहरे पर कभी दर्द की फीलिंग नहीं देखी

मुम्बई से आए सैफी हॉस्पिटल में दादीजी का इलाज करने वाले डॉक्टर्स डॉ. दीपेश अग्रवाल, डॉ. प्रसन्ना, डॉ. आकाश शुक्ला, डॉ. निपुन गंगवाला, डॉ. मनोज चावला, डॉ. जिगर देसाई ने अपने-अपने अनुभव बताते हुए कहा कि हम खुद को भाग्यशाली समझते हैं कि दादीजी जैसी दिव्य और महान आत्मा का इलाज करने का मौका मिला। हमारे जीवन का यह पहला अनुभव रहा कि मरीज़ के इलाज के दौरान दिव्य अनुभूति हुई। जैसे ही दादीजी के रूम में जाते थे तो मन को शक्तिशाली फीलिंग आती थी। बीमारी के बाद भी दादीजी के चहरे पर कभी दर्द, दुःख या उदासी की फीलिंग नहीं देखी। दादीजी के साथ के अनुभव को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता।